an>

title: Need to clean all the rivers merging with river Ganges to make it pollution free.

श्रीमती नीलम सोनकर **(**लालगंज**) :** अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करती हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं एक महत्वपूर्ण विषय शून्य काल के माध्यम से उठाना चाहती हूँ। गंगा नदी उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मैली है। गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अभी तक अरबों रुपये खर्च किये जा चुके हैं। 11 अक्तूबर, 2010 को दैनिक जागरण में एक खबर छपी थी कि अरबों रुपये खर्च करने के बाद भी नदियाँ प्रदूषित हैं। इसमें विस्तार से आई.आई.टी. के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में केन्द्र सरकार ने कहा था कि पिछले दस वर्षों में बीस राज्यों में 38 नदियों पर 26 अरब रुपये खर्च हुए। लेकिन, स्थिति में कोई खास अन्तर नहीं आया। स्थिति आज भी वही है।

यह सही है कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने गंगा नदी को प्रदूषणमुक्त करने को एक चैलेंज के रूप में लिया है। गंगा नदी को धार्मिक दृष्टि से गंगा मैया कह कर पुकारा जाता है, क्योंकि यह भारत की जीवन-रेखा है। गंगा कानपुर में चमड़ा उद्योग एवं दूसरे उद्योगों के कारण पूरी तरह प्रदूषित हो जाती है। जहां गंगा शुरू होती है और जहां अन्त होती है, इस बीच सैंकड़ों नदियां गंगा से जुड़ती हैं। इन नदियों को प्रदूषणमुक्त किए बिना गंगा को मातृ ट्रीटमेंट प्लांट के सहारे प्रदूषणमुक्त करना असंभव है। फरक्का बांध के दोनों सिरों पर बाइपास नहर बनाए बगैर गंगा एवं उसकी सहायक नदियों जैसे यमुना आदि नदियों को प्रदूषणमुक्त करना असंभव है।

इसलिए आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूं कि इन सभी बिन्दुओं पर हमारी सरकार की क्या नीति है, इसका विस्तृत विवरण दें।

HON. SPEAKER: Shri K. Suresh – not present.